



19/8/18  
6/4/18

अभिलेख अप्रत्यापित। उपरोक्त शक्ति के संबंध में पत्रिका  
का शक्ति सं संबंधित आगजासों के हानि दिनांक 29-8-18 को  
व्यापारिक में अप्रत्यापित होना अपन, पत्र रखने हेतु मैग्जिस्ट्रेट  
विगरे विषय न। 1 अथ नैटिश के आगजासों के पत्रिका  
की ओर के उनका महीना इस अप्रत्यापित होना वर्ष 84 का  
केवल एक लगान वहीद की बात, यह प्रस्तुत विषय है जो  
उनके अथ शक्ति के दावे हेतु प्रजापू नहीं है।  
अथ, प्रम: संबंधित राठ किरा एवं प्रम अं विर ने प्रहिविद्विषय  
हे कि अथ शक्ति एवं खतें खतिपान के अथवा गौ आवाद  
वकते की शक्ति है जो पंजी II के पत्रिका सं 357 में हानि  
विषय विर आशु विर का गति अं विर है अथ, अथ पंजी  
II के विर विर पत्रिका विर का आदेश अं विर विर/  
पंजी II की यह विर राठ किर का विर प्रहिविद्विषय अभिलेख  
में पत्रिका है अथ राठ किर के अथ पत्रिका के 254  
वकते का अथ विर विर है।

अथ: पत्रिका के एक महीना  
यह विर अभिलेख नैटिश विर का अथ शक्ति के दावे  
के संबंधित विरि हानि आगजासों की हानि विर की शक्ति  
वकते अथ, अभिलेख दिनांक 20/4/18 का रखे।

19/8/18

अं विर विरि  
विरिका

20/4/18

अभिलेख अप्रत्यापित। पत्रिका की ओर के  
उनके महीने इस अप्रत्यापित होना वर्ष 84 का केवल एक  
लगान वहीद की बात, यह प्रस्तुत विषय है। अथ के  
दौरान उनके महीने का लगान गति विरि  
अभिलेख और कोरु में आगजास अथ विरि  
अथ विर होना है कि अथ पत्रिका अथ विरि

ले काफ़्त की गयी है।

अतः ऐसी परिस्थिति में उपर्युक्तानुदी को  
रूफ़ करने की अनुमति दी जाती है।

अतः अर्थात् हे अर्थात्  
श्री सुभाष आ शांति, अथवाद को भेजे।

Agdo  
20.04.18  
अर्थात् अर्थात्  
अर्थात्

अंचल अधिकारी का कार्यालय, बलियापुर (धनबाद)।

वाद अभिलेख संख्या- 519 / 2018 (अन्तर्गत धारा-4(1), BLR Act 1950)

सूचना

बनाने एन. सिंह  
पिंग. डा. सु. सिंह  
सा. बलियापुर

एतद द्वारा आपको सूचित किया जाता है कि मौजा बलियापुर मौजा नं०- 183  
खाला नं०..... प्लॉट नं०.....  
रकबा 0.27 रो संबंधित आपके नाम से हस्ता नं० VII के राजस्व कर्नदारी  
ने अंचल निरीक्षक के माध्यम से लॉचपसन्त रुदिय प्रतिकेदिता किया है।

अतएव आप उक्त संबंध में दिनांक 26/8/16 को समय 11:00 बजे पूर्वाह्न में उक्त  
नूंगे का रिटर्न-1, भूमि बन्दोबस्ती से संबंधित हुकुमनामा, भूतपूर्व जमींदार द्वारा निर्गत जमींदारी  
रसीदों, फार्म A एवं सरकार में जमींदारी निहित होने के बाद सरकार द्वारा निर्गत जमींदारी  
रसीदों, निर्गत परधाना एवं अन्य ठोस साक्ष्यों की मूल प्रति/सत्यापित प्रति जो आपके उक्त  
भूमि पर दावे की पुष्टि करता हो के साथ अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय प्रकोष्ठ में उपस्थित  
होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें।

समय रहे कि अन्यथा कि स्थिति में समाप्त जायेगा कि उक्त संबंध में आपको कुछ नहीं  
कहना है तथा उपलब्ध दस्तावेज/साक्ष्यों के आधार पर संपूर्ण निर्णय पर पहुँचते हुए धर्ज  
लगावन्दी के संबंध में मुक्ति-मुक्त निर्णय लेते हुए विधेसभात अनुशंस कर दी जायेगी।

इसे सख्त ताकीद जानें।

सिन्धु सिंह  
26/8/16

व.स. 16  
अंचल अधिकारी,  
बलियापुर।  
26/8/16

जोधिस तमिषला चैमग।  
-वाठ थपु सपुठ गहली  
27/8/16